

असाधारण EXTRAORDINARY

PART II—FIRE 3—34-8(08 (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

₹0 419]

नई विक्ली, गुक्रवार, सितम्बर 11, 1981/मात्र 20, 1903

No. 419]

NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 11, 1981/BHADRA 20, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलम के रूप में रखा जा सके Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

श्रानेण

नई दिस्ली, 11 नितम्बर 1981

करि आ० 695(अ) — 19 कर्माणी वि० वि० घ०/81:—केन्द्रीय सरकार ने भारत सरकार के भातपूर्व भौछोगिक विकास मंत्रालय के आदेण सं० का० आ० 542 (अ)/18 करु भी वि० वि० घ०/74, तारीख 13 सितम्बर, 1974 द्वारा शमृतसर णूगर मिल्स कपनी लिमिटेड, अमृतसर मामक भौछोगिक उपकम के एक कारखाने अमृतसर श्रायल वर्म्स अमृतसर का 12 मिलम्बर, 1970 तक की, जिसमे यह नारीख भी सम्मिनित है, पांच वर्ष की अवधि के लिए अवस्थ ग्रहण करने के लिए अवस्थ योई नामक एक स्थिकर-नियाय की प्रािकृत विया था.

मीर भारत सरकार के उच्चोग मंत्रालय के आवेण स० का० आ० 454 (अ), तारीख 18 जुलाई 1979 द्वारा 12 सिमम्बर, 1979 तक कि जिसमे यह तारीख भी मिम्मिलित है, अविधि के लिए उक्त प्रबंध बोर्ड का स्थान एव नए प्रवंध बोर्ड ने ले लिया था , श्रीर भारत सरकार से उच्चोग मंत्रालय के श्रादेण स० ता० श्रा० 525 (श्र)/18कक/श्रो० वि० वि० म०/7० मारीख 11 सितम्बर, 1979 हारा तारीख 13 सितम्बर 1974 भीर 18 जुलाई, 1979 के उक्त बोनो श्रावेणों की श्रविध 12 सितम्बर, 1981 तक जिसमें यह तारीख भी मिम्मिलित है, बंबा दी गई थी ,

भौर केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोकहित में यह समीचीन है कि कमण तारीख 13 सितम्बर, 1974 भौर 18 जुलाई, 1978 के उच्च दोनो स्रादेश छह मास की स्रौर स्रवधि तक प्रभावी बने रहे

भनः केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास भीर विनियमन) अधिनियम 1951 (1951 का 65') को बारा 18कक की उपधारा (2) द्वारा प्रवस्त पवित्तयों का प्रयोग फरन हुए, निदेश देती है कि तारीख 13 सितम्बर, 1974 और 18 जुलाई, 1978 के उक्त दोनो भादेश 12 मार्च, 1982 तक की जिसमें वह तारीख भी सम्मिलित है, धविध के लिए प्रभावी बने रहेगे।

[फा॰ न॰ 4(5)/80-नी॰ यु॰ एक्।

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDERS

New Delhi, the 11th September, 1981

S.O. 695(E)|18AA|IDRA|81.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development No. S.O. 542(E)|18AA'IDRA|74, dated the 13th September, 1974, the Central Government had authorised a body of persons known as the Board of Management, to take over the management of Amritsar Oil Works, Amritsar, a factory of the industrial undertaking known as Amritsar Sugar Mills Company Limited, Amritsar, for a period of five years upto and inclusive of the 12th September, 1979;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry No. S.O. 454(E), dated the 18th July, 1978, the said Board of Management was replaced by a new Board of Management for a period upto and inclusive of the 12th September, 1979;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry No. S.O. 525(E)]18AA[IDRA]79, dated the 11th September, 1979, the period of the said two Orders dated the 13th September, 1974, and the 18th July, 1978, was extended upto and inclusive of the 12th September, 1981:

And, whereas, the Central Government is of opinion that it is expedient in the public interest that the said two Orders dated the 13th September, 1974 and the 18th July, 1978, respectively, should continue to have effect for a further period of six months:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said two Orders dated the 185 Sentember, 1974 and the 18h July, 1978 continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 12th March, 1982.

[F. No 4(5)]80-CUS]

का० ला० 696/(अ) /18 लख/घो, वि०वि० घिष्ठां — मारल सरकार के मृतपूर्व औधोगिक विकास संवालय के घावेश सं० का० घा० 542 (प्र)/18 कक/घौ वि० वि० घा०/74, ता० 13 सितम्बर, 1974 हारा यह प्रधिकत किया गया था कि प्रमृतसर गुगर मिल्प कंपनी लिमि-टेड, धमृतसर नाम के औधोगिक उपकम (जिसे इसमें इसके पण्चान् उकत उपश्रम कहा गया है), जहां तक कि उसका संबंध घमृतसर घायल वक्सं, धमृतसर नामक कारखाने (जिसे इसमें इसके पण्चात उकत कारखाना कहा गया है) से है, का प्रबन्ध 13 सितम्बर, 1974 से प्रारंभ होने वाली पांच वर्ष की धविध के लिए प्रवन्ध बोई मामक उपित तिकाय छारा उद्योग (विकास और विनियमन) (प्रधितियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 कल के घषीन ग्रहण किया जाए;

श्रीर मारन सरकार के उद्योग मंतालय के श्रादेश सं० 454 (श्र) तारीख 18 जुलाई, 1978 द्वारा 12 मितम्बर 1979 तक की श्रवधि, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, के लिए उक्त व्यक्ति निकाय का स्थान एक नए निकास ने ने लिया था;

श्रीर भारत के उद्योग मंत्रालय श्रीकोगिक (विकास) विभाग के आदेश मंग्राव्यात 575 (अ) तारीख 11 सितम्बर, 1979 हारा, तारीख 13 मितम्बर 1974 श्रीर 18 जुलाई 1978 के उक्त दोंगों, श्रादेश 12 मितम्बर, 1981 तक की श्रवधि, जिममें वह तारीख भी मस्मिलित है के लिए प्रभावीं बने रहेंगे,

ग्रीर केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग घौर नागरिक पूर्ति मंद्रालय (श्रीद्योगिक विकास विभाग) के प्रादेश सै० का० घा० 566 (ग्र), नागिख 1 प्रक्तूबर, 1975 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त ग्रावंश कहा गया है) द्वारा उद्योग (विकास ग्रीर विनियमन) अधिनियम, 1951 की धारा 18 चख की उपधारा (1) द्वारा प्रदस्त शिक्तयो का प्रयोग करने हुए, यह धोषणा की यी कि ~~~

- (क) 1 प्रक्तूबर, 1975 के उक्त भावेश की भनुसूची में विनि-दिंख्ट, गया स्थिति, प्रधिनियमितियां, या उनके साग उक्त उपक्रम को, जहां तक उनका संबंध उक्त नारधारों में हैं, लागू नहीं होंगे, भौर
- (ख) सभी प्रवृत्त संविद्याओं, सम्पत्ति के हस्तौतरण-पद्मों, करारों व्यवस्थापनों, पंचाटों, स्थायी आवेशों या लिखनों का (उनको छोड़ कर जो बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रतिभृत वायित्यों भे संबंधित है) प्रवर्तेम, जिनका उक्त औद्योगिक उपक्रम एक प्रक्षकार है और जहां तक कि वि उक्त कारखाने से संबंधित हैं, या जो 1 प्रक्तूबर, 1975 के उक्त आवेश के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से ठीक पूर्व उसे लागू हो सकते

है, ब्रोर उक्त तारीख से पूर्व उनके प्रधीन प्रोधभूत गाउउभृत हामें बाले सभी प्रधियार, विशेषाधियार शाध्यताएं ब्रीट वायित्व 1 अक्तूशर, 1975 से प्रारम होने वाली एक वर्ष की ब्रविब के लिए निलम्बित रहेंगे,

श्रीर भारत सरकार के उद्योग महालय (श्रीचोगिक विकास विभाग) के भ्रादेश का॰ श्रा॰ स॰ 776 (श्र) तारीख 12 सितम्बर, 1980 द्वारा 1 श्रक्तूबर, 1975 के उक्त श्रादेश की श्रविध 12 सितंबर 1981 तक जिसमे वह तारीख भी सम्मिलित है, बहा विया गया था,

भीर केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हा गया है कि तारीख 1 अक्टूबर, 1975 के उक्त प्रादेश की श्रवीय की 12 मार्च, 1982 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित हैं, के लिए बढ़ा दिया जाना चाहिए;

श्रत, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास श्रीर विनियमन) अधिनयम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 चख की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रवत्न शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तारीख 1 प्रक्तूबर, 1975 के उक्त आदेश की भवधि को 12 मार्च, 1982 तक की अवधि, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलत है, के लिए श्रीर बहासी है।

[फा॰स॰ 4/5/80 सी॰ यू॰ एस॰] सी॰ के॰ मादी, सयुक्त समिव

S.O. 696(E)|18FB|IDRA|81.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development No. 542(E)|18AA|IDRA|74, dated the 13th September, 1974, the management of the industrial undertaking known as Amritsar Sugar Mills Company Limited, Amritsar (hereinafter referred to as the said undertaking) in so far as it relates to the factory known as Amritsar Oil Works, Amritsai (hereinafter referred to as the said factory) was authorised to be taken over by a body of persons known as the Board of Management under section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) for a period of 5 years commencing from the 13th September, 1974;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry No. 454(E), dated the 18th July. 1978 the said body of persons was replaced by a new body for a period upto and inclusive of the 12th September, 1979;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 525(E), dated the 11th September, 1979, the said two orders dated the 13th September, 1974 and the 18th July, 1978 continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 12th September, 1981;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. 566(E), dated the 1st October, 1975 (hereinafton referred to as the said Order), the Central Government, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 or 1951), declared that—

- the enactments, or portions thereof, as the case may be, specified in the Schedule to the said Order dated he 1st October, 1975, shall not apply to the said undertaking in so far as it relates to the said factory, and
- (b) the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the said industrial undertaking is a party in so far as they related to the said factory or which may be applicable to it immediately before the date of publication of the said Order dated the 1st October 1975 in the Official Gazette and all the rights privileges obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for a period of one year commencing from the 1st October 1975;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Development of Industrial Development) No. S.O. 776(E), dated the 12th September, 1980, the duration of the said order dated the 1st October, 1975, was extended upto and inclusive of the 12th September, 1981:

And, whereas, the Central Government is satisfied that the duration of the said Order dated the 1st October, 1975, should be extended by a further period upto and inclusive of the 12th March, 1982;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with sub-section (2) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order dated the 1st October, 1975, for a further period upto and inclusive of the 12th March, 1982.

[F. No. 4|5|80-CUS.]C. K. MODI, Jt. Secy.